Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 15 October 2024

Dainik Jagran
Page - 04, 06

गोवि की बैडमिंटन टीम का चयन कल

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बैडमिंटन (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2024-25 के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की बैडमिंटन टीम का चयन 16 अक्टूबर को 2:30 बजे से विश्वविद्यालय परिसर में स्थित बैडमिंटन हाल में संपन्न होगा।

यह जानकारी विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के सचिव डा.राजवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि चयन-ट्रायल में भाग लेने के इच्छुक छात्र-छात्राएं अपने हाईस्कूल से अब तक के समस्त मूल अंक पत्र, शुल्क रसीद, आधार कार्ड एक फोटो, परिचय पत्र एवं महाविद्यालय के प्रतिभागी अपने प्राचार्य द्वारा लिखित अधिकार पत्र के साथ निश्चित समय एवं स्थान पर उपस्थित हो।-विज्ञप्ति।

अंग्रेजी विभाग में चलेगा तीस घंटे का मूल्यवर्धित कोर्स

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में बुधवार को'पर्यावरणीय मानविकी पर 30 घंटे के मूल्य वर्धित कोर्स का उद्घाटन किया जाएगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी। काशी हिंदू विश्वद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनीता सिंह मुख्य अतिथि होंगी।

प्रो. राजवंत राव बने दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष : गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. राजवंत राव ने सोमवार को दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष के रूप में अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण कर लिया।

Amar Ujala
Page - 08

डीडीयू : अंग्रेजी विभाग में चलेगा मूल्य वर्धित कोर्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में बुधवार को पर्यावरणीय मानविकी पर 30 घंटे के मूल्य वर्धित कोर्स का उद्घाटन किया जाएगा। यह कोर्स पीजी और रिसर्च स्कालर्स को साहित्य व पर्यावरण के मुद्दों पर गहन समझ विकसित करने का मौका देगा। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ला ने बताया कि यह कोर्स पर्यावरणीय न्याय, जलवायु परिवर्तन, जल संकट, मानव-युग (एंथ्रोपोसीन), और प्रकृति लेखन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित होगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी। जबकि काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनीता सिंह मुख्य अतिथि होंगी। संवाद

Hindustan
Page - 06

भोजपुरी लोकगीत पर कार्यशाला आज

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं उप्र संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 15 अक्तूबर को अपराह्न 3:30 बजे से ललित कला एवं संगीत विभाग में 'भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतिकरण कार्यशाला' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम महाकुंभ प्रयागराज- 2025 एवं मिशन शक्ति के तहत आयोजित है। ललित कला विभाग की अध्यक्ष प्रो. उषा सिंह ने बताया कि कार्यशाला की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पूनम टंडन होंगी। अंतरराष्ट्रीय लोक गायक राकेश उपाध्याय विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं की बारीकियां सिखाएंगे।

Amar Ujala Select
Page - 05

पांच साल बाद ऑफलाइन मोड में रिफ्रेशर कोर्स

गोरखपुर। देशभर के विश्वविद्यालयों एवं कालेजों के पद शिक्षकों के लिए होने वाला रिफ्रेशर कोर्स पांच साल बाद ऑफलाइन मोड में होगा। कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2020 के शुरुआत से ही रिफ्रेशर कोर्स ऑनलाइन संचालित हो रहे थे। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 15 से 'योग' विषय पर आयोजित रिफ्रेशर कोर्स से इसकी शुरुआत होगी।

डीडीयू में मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर (एमएमएटीटीसी) की निदेशक प्रो. सुनीता मुर्मू ने बताया कि मंगलवार को

डीडीयू में 15 से 'योग' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स से होगी शुरुआत

सुबह 10:30 बजे टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर पर इसका शुभारंभ होगा। मुख्य अतिथि उप्र राज्य विज्ञा सेवा चयन आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा शुभारंभ करेंगे। इसमें प्रति दिन 4 सत्र और 12 दिनों में कुल 48 सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

कोर्स के लिए देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कालेजों के करीब 50 से अधिक शिक्षकों ने पंजीकरण कराया है।

भोजपुरी लोकगीत पर कार्यशाला आज

भोजपुरी संगत की हुई बैठक।

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं उप्र संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 15 अक्तूबर को अपराह्न 3:30 बजे से ललित कला एवं संगीत विभाग में 'भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतिकरण कार्यशाला' आयोजित होगी। यह कार्यशाला महाकुंभ प्रयागराज- 2025 एवं मिशन शक्ति के तहत आयोजित है। ललित कला विभाग की अध्यक्ष प्रो. उषा सिंह ने बताया कि कार्यशाला की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पूनम टंडन होंगी। अंतरराष्ट्रीय लोक गायक राकेश उपाध्याय विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं की बारीकियां सिखाएंगे।

प्रवेश और पंजीकरण की तिथि 20 अक्तूबर तक बढ़ी

गोरखपुर। डीडीयू एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए संचालित नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म पूरित कर जमा करने की तिथि 20 अक्तूबर तक बढ़ा दी गई है। यह जानकारी कुलसचिव ने दी है।

Rashtriya Sahara
Page - 09

डीडीयू की वेबसाइट पर एईसी और एसईसी की पाठ्य सामग्री होगी अपलोड

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम में पढ़ाये जाने वाले सभी दक्षता अभिवृद्धि कोर्सेज तथा कौशल अभिवृद्धि पाठ्यक्रमों की पाठ्य सामग्री और वीडियो लेक्चर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्णय लिया है, ताकि विश्वविद्यालय के साथ-साथ महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी इसका समान लाभ मिल सके। यह पाठ्यक्रम सामग्री विभाग तैयार करेंगे। पाठ्यक्रम की गुणवत्ता परखने के लिए विशेषज्ञ बुलाए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में पारम्परिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विद्यार्थियों की दक्षता (एबिलिटी) एवं कौशल (स्किल) में अभिवृद्धि पर खासा जोर दिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा उ.प्र. शासन ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में भी इसके लिए विशेष प्रावधान किये हैं। इसके अन्तर्गत प्रत्येक विद्यार्थी स्नातक की अगली पढ़ाई के पहले चार सेमेस्टरों में दक्षता अभिवृद्धि का एक-एक कोर्स करेगा। इसी तरह वह पहले तीन सेमेस्टरों में प्रत्येक में कोई एक कौशल अभिवृद्धि यानी स्किल इन्हैंसमेंट का कोर्स भी करेगा।

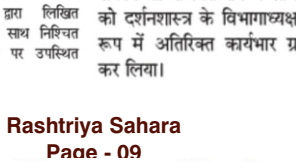

- दक्षता व कौशल अभिवृद्धि के पाठ्यक्रम विभाग करेंगे तैयार
- कैंपस के साथ ही महाविद्यालयों के छात्र भी इस सामग्री का लेंगे लाभ
- पाठ्यक्रम की गुणवत्ता परखने को बुलाए जाएंगे विशेषज्ञ

गोवि. में भी यूजीसी और उत्तर प्रदेश शासन के इसी प्रारूप के अनुरूप दक्षता अभिवृद्धि कोर्सेज (एईसी) तथा कौशल अभिवृद्धि कोर्सेज (एस.ई.सी.) के अन्तर्गत कई तरह के कोर्सेज का विकल्प रखा गया है। विश्वविद्यालय में पहले भी इस प्रकार के पाठ्यक्रम कोकरिकुलर तथा वोकेशनल पाठ्यक्रमों के रूप में चलते थे, लेकिन इनके नियमित अध्ययन-अध्यापन की कोई व्यवस्था नहीं थी जिससे अनेक विद्यार्थी इन कोर्सेज में अनुपस्थित होने के कारण प्रोन्नत नहीं हो पाते थे।इन समस्याओं को दूर करने के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने निर्णय लिया है कि इन कोर्सेज की पाठ्यक्रम सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सभी के लिए उपलब्ध हो, जिससे परिसर और महाविद्यालय के विद्यार्थी बेहतर ढंग से इसकी तैयारी कर सकें। यह पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करने का दायित्व विभागों का होगा। पाठ्यक्रम की गुणवत्ता और स्तर सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों को मानदेय भी दिया जायेगा। विश्वविद्यालय की वित्त समिति द्वारा कार्य परिषद ने भी इस प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है। प्रशासन की योजना है कि इस सप्ताह में यह कोर्सेज वेबसाइट पर अपलोड कर दिये जायें ताकि विद्यार्थियों को अध्ययन का समय मिल सके।

प्रो. राजवंत बने दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. राजवंत राव ने सोमवार को दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। अब तक प्रो. द्वारकानाथ दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष थे। प्रो. द्वारकानाथ के अधिवर्षिता आयु पूर्ण होने पर डीन आर्ट्स के रूप में प्रो. राजवंत राव को यह जिम्मेदारी दी गई है। प्रो. द्वारकानाथ सत्र लाभ के कारण जून 2025 तक अपनी सेवाएं देते रहेंगे।

एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष बने सुशांत

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के छात्र नेता सुशांत शर्मा को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पांडेय ने इसकी घोषणा की है।

सुशांत शर्मा

एनएसयूआई के राष्ट्रीय संगठन सचिव प्रताप सिंह और यूथ प्रदेश प्रवक्ता अंकित पांडेय ने कहा कि सुशांत पूर्व में महानगर अध्यक्ष रह चुके हैं। एनएसयूआई पूर्व प्रदेश अध्यक्ष समित पांडेय, अनुभव पाठक, यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अभिजीत पाठक, एनएसयूआई प्रदेश महासचिव ऋषि चड्ढा, विशाल भट्ट आदि ने बधाई दी है।

Aaj

वि.वि. की वेबसाइट पर अपलोड होंगी दक्षता और कौशल अभिवृद्धि पाठ्यक्रमों की पाठ्य सामग्री

गोरखपुर १४ अक्टूबर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम में पढ़ाये जाने वाले सभी दक्षता अभिवृद्धि कोर्सेज तथा कौशल अभिवृद्धि पाठ्यक्रमों की पाठ्य सामग्री और वीडियो लेक्चर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्णय लिया है, ताकि विश्वविद्यालय के साथ-साथ महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी इसका समान लाभ मिल सके।छात्रहित में कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में पारम्परिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विद्यार्थियों की दक्षता (एबिलिटी) एवं कौशल (स्किल) में अभिवृद्धि पर खासा जोर दिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा उ.प्र. शासन ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में भी इसके लिए विशेष प्रावधान किये हैं। इसके अन्तर्गत प्रत्येक विद्यार्थी स्नातक की अगली पढ़ाई के पहले चार सेमेस्टरों में दक्षता अभिवृद्धि का एक-एक कोर्स करेगा। इसी तरह वह पहले तीन सेमेस्टरों में प्रत्येक में कोई एक कौशल अभिवृद्धि यानी स्किल इन्हैंसमेंट का कोर्स भी करेगा।

गोवि. में भी यूजीसी और उत्तर प्रदेश शासन के इसी प्रारूप के अनुरूप दक्षता अभिवृद्धि कोर्सेज (एईसी) तथा कौशल अभिवृद्धि कोर्सेज (एस.ई.सी.) के अन्तर्गत कई तरह के कोर्सेज का विकल्प रखा गया है। विश्वविद्यालय में पहले भी इस प्रकार के पाठ्यक्रम कोकरिकुलर तथा वोकेशनल पाठ्यक्रमों के रूप में चलते थे, लेकिन इनके नियमित अध्ययन-अध्यापन की कोई व्यवस्था नहीं थी। कई वामर्सी में पढ़ाई नहीं थी जिससे अनेक विद्यार्थी इन कोर्सेज में अनुपस्थित होने के कारण प्रोन्नत नहीं हो पाते थे।इन समस्याओं के दृष्टिगत कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने निर्णय लिया है कि इन कोर्सेज की पाठ्यक्रम सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हो, जिससे परिसर और महाविद्यालय के विद्यार्थी बेहतर ढंग से इसकी तैयारी कर सकें। यह पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करने का दायित्व विभागों का होगा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करने का दायित्व विभागों का होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा उ.प्र. शासन ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में भी इसके लिए विशेष प्रावधान किये हैं। इसके अन्तर्गत प्रत्येक विद्यार्थी स्नातक की अगली पढ़ाई के पहले चार सेमेस्टरों में दक्षता अभिवृद्धि का एक-एक कोर्स करेगा। इसी तरह वह पहले तीन सेमेस्टरों में प्रत्येक में कोई एक कौशल अभिवृद्धि यानी स्किल इन्हैंसमेंट का कोर्स भी करेगा। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में भी यू.जी.सी. और उत्तर प्रदेश शासन के इसी प्रारूप के अनुरूप दक्षता अभिवृद्धि कोर्सेज (एई.सी.) तथा कौशल अभिवृद्धि कोर्सेज (एस.ई.सी.) के अन्तर्गत कई तरह के कोर्सेज का विकल्प रखा है। विश्वविद्यालय में पहले भी इस प्रकार के पाठ्यक्रम कोकरिकुलर तथा वोकेशनल पाठ्यक्रमों के रूप में चलते थे, लेकिन इनके नियमित अध्ययन-अध्यापन की कोई व्यवस्था नहीं थी। कई वामर्सी में पढ़ाई नहीं थी। सभी विभागों को अध्ययन का समय मिल सके।

Swatantra Chetna
Page - 05

गोविवि की वेबसाइट पर अपलोड होगी दक्षता और कौशल अभिवृद्धि पाठ्य सामग्री

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम में पढ़ाये जाने वाले सभी दक्षता अभिवृद्धि कोर्सेज तथा कौशल अभिवृद्धि पाठ्यक्रमों की पाठ्य सामग्री और वीडियो लेक्चर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्णय लिया है, ताकि विश्वविद्यालय के साथ-साथ महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी इसका समान लाभ मिल सके। यह पाठ्यक्रम सामग्री विभाग तैयार करेंगे। पाठ्यक्रम की गुणवत्ता परखने के लिए विशेषज्ञ बुलाए जाएंगे।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में भी यूजीसी और उत्तर प्रदेश शासन के इसी प्रारूप के अनुरूप दक्षता अभिवृद्धि कोर्सेज (एईसी) तथा कौशल अभिवृद्धि कोर्सेज (एस.ई.सी.) के अन्तर्गत कई तरह के कोर्सेज का विकल्प रखा है। विश्वविद्यालय में पहले भी इस प्रकार के पाठ्यक्रम कोकरिकुलर तथा वोकेशनल पाठ्यक्रमों के रूप में चलते थे, लेकिन इनके नियमित अध्ययन-अध्यापन की कोई व्यवस्था नहीं थी। कई वामर्सी में पढ़ाई नहीं थी। सभी विभागों को अध्ययन का समय मिल सके।

इसके चलते परीक्षा देने में कठिनाई होती थी और अनेक विद्यार्थी अपने मूल विषयों में उत्तीर्ण होते हुए भी इन कोर्सेज में अनुत्तीर्ण होने के कारण प्रोन्नत नहीं हो पाते थे।इन समस्याओं के दृष्टिगत कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने निर्णय लिया है कि इन कोर्सेज की पाठ्यक्रम सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हो, जिससे परिसर और महाविद्यालय के विद्यार्थी बेहतर ढंग से इसकी तैयारी कर सकें।यह पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करने का दायित्व विभागों का होगा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करने का दायित्व विभागों का होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा उ.प्र. शासन ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में भी इसके लिए विशेष प्रावधान किये हैं। इसके अन्तर्गत प्रत्येक विद्यार्थी स्नातक की अगली पढ़ाई के पहले चार सेमेस्टरों में दक्षता अभिवृद्धि का एक-एक कोर्स करेगा। इसी तरह वह पहले तीन सेमेस्टरों में प्रत्येक में कोई एक कौशल अभिवृद्धि यानी स्किल इन्हैंसमेंट का कोर्स भी करेगा। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में भी यू.जी.सी. और उत्तर प्रदेश शासन के इसी प्रारूप के अनुरूप दक्षता अभिवृद्धि कोर्सेज (एई.सी.) तथा कौशल अभिवृद्धि कोर्सेज (एस.ई.सी.) के अन्तर्गत कई तरह के कोर्सेज का विकल्प रखा है। विश्वविद्यालय में पहले भी इस प्रकार के पाठ्यक्रम कोकरिकुलर तथा वोकेशनल पाठ्यक्रमों के रूप में चलते थे, लेकिन इनके नियमित अध्ययन-अध्यापन की कोई व्यवस्था नहीं थी। कई वामर्सी में पढ़ाई नहीं थी। सभी विभागों को अध्ययन का समय मिल सके।

गोविवि में 13 दिवसीय भोजपुरी लोकगीत कार्यशाला का शुभारंभ आज

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आज ललित कला एवं संगीत विभाग में भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतीकरण कार्यशाला का आयोजन किया जा जाएगा।

ललित कला एवं संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर उषा सिंह ने बताया कि कार्यशाला महाकुंभ प्रयागराज- 2025 एवं मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित है । कार्यशाला में गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होंगी । 13 दिन तक चलने वाले इस कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक राकेश उपाध्याय होंगे जो प्रतिभागियों को भोजपुरी लोकगीतों की विभिन्न विधाओं एवं बारीकियों को सिखाएंगे ।

Nirbhik India

भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतीकरण कार्यशाला ललित कला एवं संगीत विभाग आयोजित कर रहा है कार्यक्रम

निर्भीक इंडिया
संवाददाता गोरखपुर

10/ 2024 को ललित कला एवं संगीत विभाग में भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतिकरण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है यह कार्यशाला महाकुंभप्रयागराज-2025 एवं मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित है । कार्यशाला में गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन बतौर

मुख्य अतिथि उपस्थित होंगी । 13 दिन तक चलने वाले इस कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक श्री राकेश उपाध्याय जी होंगे जो प्रतिभागियों को भोजपुरी लोकगीतों की विभिन्न विधाओं एवं बारीकियों को सिखाएंगे ।

● बैडमिंटन में चयन का मौका 16 अक्टूबर को गोविवि० में आयोजित होगा ट्रायल

निर्भीक इंडिया
संवाददाता गोरखपुर

पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बैडमिंटन (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2024- 25 हेतु दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की बैडमिंटन (पुरुष एवं महिला) टीम का चयन दिनांक 16 अक्टूबर 2024 को अपराह्न 2:30 बजे से विश्वविद्यालय परिसर में स्थित बैडमिंटन हॉल में संपन्न होगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. राज वीर सिंह ने दी तथा बताया कि चयन/ट्रायल में भाग लेने के इच्छुक छात्र व छात्राएं अपने समस्त प्रमाणपत्रों एवं जरूरी दस्तावेजों के साथ उपस्थित हों।

प्रयत्न /ट्रायल में आए लोगे के इच्छुक छात्र /छात्राएं अपनी हाई स्कूल से अब तक के समस्त मूल अंक पत्र, शुल्क रसीद,आधार कार्ड एक फोटो, परिचय पत्र एवं महाविद्यालय के प्रतिभागी अपने प्राचार्य द्वारा लिखित अधिकार पत्र के साथ निश्चित समय एवं स्थान पर उपस्थित हो।

Super Fast Times

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सुपर फास्ट टाइम्स (कुशीनगर/गोरखपुर/गोण्डा)

'पर्यावरण मानविकी' पर विशेष मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम का उद्घाटन

नई शिक्षा नीति, सतत विकास लक्ष्य और जी-20 उद्देश्यों पर केंद्रित पाठ्यक्रम

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में 16 अक्टूबर 2024 को 'पर्यावरण मानविकी' पर विशेष तीस घंटे का मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर छात्रों और शोधकर्ताओं को साहित्य और पर्यावरण के समकालीन मुद्दों की गहरी समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (नई शिक्षा नीति 2020) के तहत तैयार किया गया है, जिसमें सतत विकास लक्ष्य और जी-20 उद्देश्यों पर विशेष ध्यान दिया गया है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ला ने कहा कि यह पाठ्यक्रम पर्यावरण न्याय, जलवायु परिवर्तन, जल संकट, मानव युग (एंथ्रोपोसीन) और प्रकृति लेखन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित होगा। इसके माध्यम से साहित्य, दर्शन और कला के माध्यम से पर्यावरण और मानविकी के बीच गहरे संबंधों पर चर्चा की जाएगी। यह पाठ्यक्रम वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में साहित्य और मानविकी की भूमिका को विशेष रूप से उजागर करेगा, जो सतत विकास लक्ष्यों और जी-20 के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप है। इस अवसर पर उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिंदू विश्वविद्यालय की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो० अनीता सिंह मौजूद रहेंगी। पाठ्यक्रम के विशेषज्ञ डॉ. संजीव विश्वकर्मा होंगे। प्रो० सुक्ला ने कहा कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को पर्यावरण संकटों और उनके सांस्कृतिक प्रभावों को समझने का अवसर मिलेगा। अध्यक्ष प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा और आलोचनात्मक लेखन के माध्यम से कुल 15 विषयों आधारित व्याख्यानों में भाग लेंगे। पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्रों को अंकों के आधार पर प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस पाठ्यक्रम पर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और उद्घाटन सत्र के बाद नियमित कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों का पाठ्यक्रम वेबसाइट पर हो अपलोड, कुलपति ने दिया निर्देश

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले सभी कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों की पाठ्य सामग्री और वीडियो लेक्चर को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्णय लिया गया है, ताकि विश्वविद्यालय के साथ-साथ महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को भी इसका समान लाभ मिल सके।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और उत्तर प्रदेश शासन ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में इसके लिए विशेष प्रावधान किये हैं। इसके अन्तर्गत प्रत्येक छात्र अपनी स्नातक पढ़ाई के पहले चार सेमेस्टरों में इसके में एक कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम करेगा। इसी तरह वह पहले तीन सेमेस्टरों में इसके में एक कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम करेगा। गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंतर्गत कई स्तर के पाठ्यक्रमों का विकल्प रखा गया है। पहले भी विश्वविद्यालय में कोकरिकुलर तथा वोकेशनल पाठ्यक्रम चलते थे, लेकिन इनके नियमित अध्ययन-अध्यापन की कोई व्यवस्था नहीं थी जिससे अनेक विद्यार्थी इन कोर्सेज में अनुपस्थित होने के कारण प्रोन्नत नहीं हो पाते थे।इन समस्याओं को दूर करने के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने निर्णय लिया है कि इन कोर्सेज की पाठ्यक्रम सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हो, जिससे परिसर और महाविद्यालय के विद्यार्थी बेहतर ढंग से इसकी तैयारी कर सकें। यह पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करने का दायित्व विभागों का होगा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करने का दायित्व विभागों का होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा उ.प्र. शासन ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में भी इसके लिए विशेष प्रावधान किये हैं। इसके अन्तर्गत प्रत्येक छात्र अपनी स्नातक पढ़ाई के पहले चार सेमेस्टरों में दक्षता अभिवृद्धि का एक-एक कोर्स करेगा। इसी तरह वह पहले तीन सेमेस्टरों में प्रत्येक में कोई एक कौशल अभिवृद्धि यानी स्किल इन्हैंसमेंट का कोर्स भी करेगा। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में भी यू.जी.सी. और उत्तर प्रदेश शासन के इसी प्रारूप के अनुरूप दक्षता अभिवृद्धि कोर्सेज (एई.सी.) तथा कौशल अभिवृद्धि कोर्सेज (एस.ई.सी.) के अन्तर्गत कई तरह के कोर्सेज का विकल्प रखा है। विश्वविद्यालय में पहले भी इस प्रकार के पाठ्यक्रम कोकरिकुलर तथा वोकेशनल पाठ्यक्रमों के रूप में चलते थे, लेकिन इनके नियमित अध्ययन-अध्यापन की कोई व्यवस्था नहीं थी। कई वामर्सी में पढ़ाई नहीं थी। सभी विभागों को अध्ययन का समय मिल सके।

"ये पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अभिन्न अंग हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लाभार्थ यह अध्ययन सामग्री तीन ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रो०पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

अंग्रेज़ी विभाग में 'पर्यावरणीय मानविकी' पर विशेष मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का उद्घाटन

निर्भीक इंडिया
संवाददाता गोरखपुर

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग में 30 अक्टूबर 2024 को 'पर्यावरणीय मानविकी' पर तस विशेष तीस घंटे का मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम चालकाल शाखों और सोशलिस्ट और पर्यावरण के समकालीन मुद्दों पर गहन समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (नई शिक्षा नीति 2020) के तहत तैयार किया गया है, जिसमें सतत विकास लक्ष्य और जी-20 उद्देश्यों पर विशेष ध्यान दिया गया है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो० अजय शुक्ला ने कहा कि यह पाठ्यक्रम पर्यावरण न्याय, जलवायु परिवर्तन, जल संकट, मानव युग (एंथ्रोपोसीन) और प्रकृति लेखन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित होगा। इसके माध्यम से साहित्य, दर्शन, और कला के माध्यम से पर्यावरण और मानविकी के बीच गहरे संबंधों पर चर्चा की जाएगी। यह पाठ्यक्रम वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में साहित्य और मानविकी की भूमिका को विशेष रूप से उजागर करेगा, जो सतत विकास लक्ष्यों और जी-20 के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप है। इस अवसर पर उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिंदू विश्वविद्यालय की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो० अनीता सिंह मौजूद रहेंगी। पाठ्यक्रम के विशेषज्ञ डॉ. संजीव विश्वकर्मा होंगे। प्रो० सुक्ला ने कहा कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को पर्यावरण संकटों और उनके सांस्कृतिक प्रभावों को समझने का अवसर मिलेगा। यह प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा और आलोचनात्मक लेखन के माध्यम से कुल 15 विषयों आधारित व्याख्यानों में भाग लेंगे। पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्रों को अंकों के आधार पर प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस पाठ्यक्रम पर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और उद्घाटन सत्र के बाद नियमित कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur
Department of English
Value Added Course
Environmental Humanities
Inaugural Session
Chairperson
Prof. Poonam Tandon
Vice Chancellor
Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur
Chief Guest
Prof. Anita Singh
Department of English
Banaras Hindu University, Varanasi
Prof. Ajay Kumar Shukla
Head, Dept. of English
DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
Course Coordinator
Dr. Sanjeev Kumar Vish